जय माता दी

वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरुमे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।

Chhattarpur Mandir Heritage 2025 – A Year of Devotion & Celebrations

दुर्गति नाशिनी दुर्गा जय जय,
काल विनाशिनी काली जय जय

उमा, रमा, ब्रह्माणी जय जय,
राधा, सीता रुक्मणी जय जय,

श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में मनाए जाने वाले प्रमुख पर्व

मकर संक्रांति – इस दिन सूर्य देव के उत्तरायण होने का उत्सव मनाया जाता है। भक्त खिचड़ी का भोग लगाकर माँ को अर्पित करते हैं।

महाशिवरात्रि – भगवान भोलेनाथ की रातभर पूजा-अर्चना होती है। श्रद्धालु शिवलिंग पर जल, बेलपत्र और दुग्ध अर्पित करते हैं।

होली – रंगों का त्योहार, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक। मंदिर परिसर में भक्तगण रंगों और फूलों से एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं।

चैत्र नवरात्रि – हिंदू नववर्ष की शुरुआत और माँ दुर्गा की नौ दिनों की आराधना। विशेष भजन, कीर्तन और हवन का आयोजन होता है।

सावन पूजा – श्रावण मास में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना होती है। भक्त सोमवार को व्रत रखते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक, बेलपत्र, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल चढ़ाते हैं। मंदिर में शिवभक्तों का विशेष मेला लगता है तथा हरियाली तीज और नाग पंचमी के अवसर पर भी भव्य आयोजन किए जाते हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी – भगवान श्रीकृष्ण की लीला, झूला सजावट और रात्रि 12 बजे जन्मोत्सव महाआरती होती है।

शारदीय नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा – मंदिर का सबसे बड़ा उत्सव। नौ दिनों तक लाखों भक्त माँ कात्यायनी के दर्शन करते हैं। विशेष सजावट, झाँकियाँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

दशहरा – बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक। रावण दहन और विजयादशमी पर्व का आयोजन किया जाता है।

दीपावली महोत्सव – दीपों का पर्व, माँ लक्ष्मी की पूजा और अन्नकूट (भव्य भोग) अर्पण किया जाता है।

संत नागपाल जी महाराज का जन्मोत्सव – संत श्री नागपाल जी महाराज का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर विशेष आरती, भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण और भक्तों के लिए सत्संग का आयोजन किया जाता है।

गुरु पूर्णिमा – गुरु परंपरा को नमन करने और अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का दिन। भक्तजन मंदिर में आकर संत नागपाल जी महाराज और माँ कात्यायनी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं तथा गुरु कृपा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

दिल्ली के दक्षिणी भाग में स्थित दिल्ली के दक्षिणी भाग में स्थित "**श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर"** भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, श्रद्धा और आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। इस मंदिर की स्थापना वर्ष 1974 में **बाबा संत नागपाल जी द्वारा की गई थी**, जो माँ कात्यायनी के परम भक्त थे। लगभग 70 एकड़ में फैला यह भव्य परिसर 20 से अधिक छोटे-बड़े मंदिरों से सुसज्जित है, जिनमें भगवान शिव, राम दरबार, गणेश जी, लक्ष्मी जी और हनुमान जी के मंदिर विशेष रूप से पूजनीय हैं।

मंदिर की वास्तुकला उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय शैली का अद्भुत संगम है, जो इसे और भी अनोखा बनाता है।

माँ कात्यायनी, जो माँ दुर्गा का छठा स्वरूप हैं, इस मंदिर की अधिष्ठात्री देवी हैं। मान्यता है कि यहाँ सच्चे मन से की गई प्रार्थना भक्तों की सभी मनोकामनाएँ पूरी करती है।

नवरात्रि के दौरान मंदिर का विशेष महत्व होता है, जब लाखों श्रद्धालु यहाँ आकर माँ के दर्शन करते हैं। पूरा परिसर दीपों, फूलों और भव्य सजावट से जगमगा उठता है। इसके अलावा महाशिवरात्रि, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी और दीपावली जैसे पर्व भी बड़े उत्साह और भक्तिभाव से मनाए जाते हैं।

पूजा-अर्चना के साथ-साथ यह मंदिर समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में भी अग्रणी है। यहाँ प्रतिदिन भंडारा और प्रसाद वितरण होता है, साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी मंदिर ट्रस्ट सक्रिय योगदान देता है। आधुनिक समय के अनुरूप भक्तों की सुविधा के लिए डिजिटल सेवाएँ जैसे क्यूआर कोड आधारित दर्शन पर्ची, ऑनलाइन दान और मोबाइल ऐप भी उपलब्ध कराए गए हैं।

साल के पहले दिन सुख-समृद्धि की कामना

नई दिल्ली। साल के पहले दिन राजधानी के मंदिरों, गुरुद्वारों भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। लोगों ने परिवार सहित प्रार्थना की और नए साल में सुख-समृद्धि, शांति और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। मंदिरों में घंटों की कतारें लगीं, वहीं गुरुद्वारों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

लोग सुबह से ही क़ुतुबमीनार, लालकिला और धार्मिक स्थलों की ओर उमड़ पड़े। श्री सिद्धिविनायक मंदिर, छतरपुर मंदिर, हनुमान मंदिर, बंगला साहिब गुरुद्वारा, सेंट जेम्स चर्च सहित तमाम प्रमुख स्थलों पर दर्शन के लिए भीड़ रही। श्रद्धालु मोमबत्तियां जलाकर और प्रसाद चढ़ाकर नववर्ष की शुरुआत कर रहे थे।

मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों समेत कुतुबमीनार व लालकिले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, सुरक्षा के खास बंदोबस्त रहे

साल के पहले दिन सुख-समृद्धि की कामना

श्रद्धा

नई दिल्ली, कार्यालय संवाददाता। नए साल के पहले दिन बुधवार को मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। दर्शन के लिए मंदिरों के कपाट भोर में खोल दिए गए थे।

श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ा, सुबह से शाम तक लंबी कतार लगी रही। गुरुद्वारों में भी माथा टेकने के लिए बड़ी संख्या में संगत पहुंची। वहीं, गिरजाघरों में भी नव वर्ष पर विशेष प्रार्थना की गई।

25,000 से ज्यादा पर्यटक चिड़ियाघर में पहुंचने का दावा अधिकारियों ने किया

15,000 के आसपास लोगों ने बुधवार को लालकिले में उपस्थिति दर्ज कराई

चिड़ियाघर में रिकॉर्ड टूटे

नई दिल्ली, का.सं.। नए साल का जश्न मनाने के लिए दिल्ली के पर्यटन स्थलों पर बुधवार को पर्यटकों की

छतरपुर मंदिर में हज़ारों श्रद्धालु उमड़े

छतरपुर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर दर्शन करते रहे। मंदिर प्रबंधन ने सेवादारों और सुरक्षा बलों के साथ भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था की। हज़ारों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर नववर्ष की मंगलकामनाएँ मांगीं।

सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

नववर्ष के अवसर पर सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए थे। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कई जगह CCTV कैमरे लगाए गए और ड्रोन से निगरानी भी की गई।

नववर्ष का पहला दिन श्रद्धा और उत्साह से सराबोर रहा। लोगों ने धार्मिक स्थलों पर जाकर नए साल की शुरुआत की और देश-समाज की उन्नति के लिए प्रार्थना की।

छत्तरपुर मंदिर में श्री रामायण अखंड पाठ और भजन संध्या का भव्य आयोजन

श्री राम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर छतरपुर स्थित श्री आद्या कात्यायनी शक्ति पीठ मंदिर में 17 जनवरी से 22 जनवरी 2024 तक भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इस दौरान मंदिर प्रांगण भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा और हजारों भक्तों ने इसमें भाग लेकर पुण्य अर्जित किया।

मुख्य आयोजन श्री रामायण अखंड पाठ रहा, जो 21 जनवरी प्रातः 11 बजे से आरम्भ होकर 22 जनवरी तक निरंतर संपन्न हुआ। भक्तों ने दिन-रात रामायण पाठ का श्रवण किया और भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा प्राप्त की।

इसके अतिरिक्त 17 जनवरी से ही प्रतिदिन संध्या के समय भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें विख्यात भजन गायक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। 17 जनवरी को प्रसिद्ध गायक कैलाश अनुज ने अपने भजनों से वातावरण को भावविभोर कर दिया। आने वाले दिनों में अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से भक्ति और उल्लास का संचार किया।

पूरे सप्ताह चले इन धार्मिक कार्यक्रमों ने न केवल भक्तों के मन को पवित्र किया, बल्कि राम नाम के जयकारों से सम्पूर्ण वातावरण को भी आध्यात्मिक बना दिया।

महाशिवरात्रि

श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में मनाए जाने वाले प्रमुख पर्व

महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ – श्री आदि कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर (छत्तरपुर) से

श्री आदि कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में हर वर्ष की तरह इस बार भी महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। यह पावन अवसर भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक है, जिसमें श्रद्धालु गहरी आस्था और भावनाओं से शिव आराधना में लीन होते हैं।

भोर से शुरू हुई श्रद्धा की गूंज

26 फरवरी की सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। शिवलिंग पर जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक के लिए श्रद्धालु कतारों में खड़े नज़र आए।

"**ॐ नमः शिवाय" और "हर-हर महादेव**" के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। मंदिर के हर कोने में भक्ति और शांति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

श्रद्धालुओं की आस्था

देश-विदेश से आए हजारों भक्तों ने इस पर्व में भाग लिया। श्रद्धालुओं का मानना रहा कि महाशिवरात्रि पर की गई पूजा-अर्चना और व्रत उनके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाती है। इस अवसर पर मंदिर प्रबंधन ने भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतज़ाम किए।

निष्कर्ष

छत्तरपुर मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भक्ति, श्रद्धा और सामूहिक आस्था का भव्य उत्सव रहा। भगवान भोलेनाथ की कृपा से वातावरण पवित्र और ऊर्जा से भरपूर हो उठा।

जय भोलेनाथ!
हर हर महादेव!

संत बाबा नागपाल जी का 100वां जन्मोत्सव

नई दिल्ली। छतरपुर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में संत बाबा नागपाल जी का 100वां जन्मोत्सव **12 से 14 मार्च 2025** तक भव्य रूप से मनाया गया।

इस शुभ अवसर पर मंदिर प्रांगण में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूजा, अभिषेक और उसके उपरांत प्रसाद वितरण किया जाएगा.

इस पावन अवसर पर भक्तों के लिए विशेष धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्था की गई है। तीन दिवसीय इस आयोजन में श्रद्धालु आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकें। मंदिर ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि वे इस शुभ अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर संत बाबा नागपाल जी के आशीर्वाद प्राप्त करें और इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनें।

12 मार्च से 14 मार्च 2025 में उनका **100वां जन्मोत्सव** श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया gaya यह अवसर हमें उनके जीवन और शिक्षाओं को अपनाने की प्रेरणा देता है।

संत बाबा नागपाल जी ने छतरपुर मंदिर की स्थापना कर न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनके विचार और शिक्षाएं आज भी लाखों श्रद्धालुओं को प्रेरित करती हैं , उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची भक्ति सेवा, प्रेम और करुणा में निहित होती है। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर हम न केवल आध्यात्मिक उन्नति कर सकते हैं, बल्कि समाज के कल्याण में भी योगदान दे सकते हैं।

संत बाबा नागपाल जी का 100वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा

दअ संवाददाता

नई दिल्ली। छतरपुर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में संत बाबा नागपाल जी का 100वां जन्मोत्सव 12 से 14 मार्च 2025 तक भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर मंदिर प्रांगण में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूजा, अभिषेक और उसके उपरांत प्रसाद वितरण किया जाएगा।

यह विशेष आयोजन छतरपुर मंदिर ट्रस्ट के सीईओ, श्री किशोर चावला जी की देखरेख में होगा, जो पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे। इस पावन अवसर पर भक्तों के लिए विशेष धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्था की गई है। तीन दिवसीय इस आयोजन में श्रीरामचरितमानस का पाठ, भजन संध्या एवं प्रवचन भी होंगे, जिससे श्रद्धालु आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकें।

छतरपुर मंदिर की स्थापना कर न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी

महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनके विचार और शिक्षाएं आज भी लाखों श्रद्धालुओं को प्रेरित करती हैं। मंदिर ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे इस शुभ अवसर पर

अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित ... संत बाबा

करें और इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनें। 12 मार्च से १४ मार्च 2025 में उनका 100वां जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ किशोर चावला जी सी ई ओ छतरपुर मंदिर ट्रस्ट ने कहा कि यह अवसर हमें उनके जीवन और शिक्षाओं को अपनाने की प्रेरणा देता है। संत बाबा नागपाल जी की शिक्षाएं और कार्य आज भी लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची भक्ति सेवा, प्रेम और करुणा में निहित होती है। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर हम न केवल आध्यात्मिक उन्नति कर सकते हैं, बल्कि समाज के कल्याण में भी योगदान दे सकते हैं। उनके 100वें जन्मोत्सव पर हम सभी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प

आज से संत बाबा नागपाल के 100वें जन्मोत्सव की मचेगी धूम

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

छतरपुर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में आज से श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में संत बाबा नागपाल का 100वां जन्मोत्सव धूमधाम से शुरू होगा। यह जन्मोत्सव 12 से 14 मार्च तक चलेगा। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें पूजा, अभिषेक और प्रसाद वितरण शामिल है।

मंदिर ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार भक्तों के लिए विशेष धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्था की गई है। तीन दिवसीय इस आयोजन में श्रद्धालु आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। संत बाबा नागपाल ने छतरपुर मंदिर की स्थापना कर न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनके विचार और शिक्षाएं आज भी लाखों श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हैं। मं...

File Photo

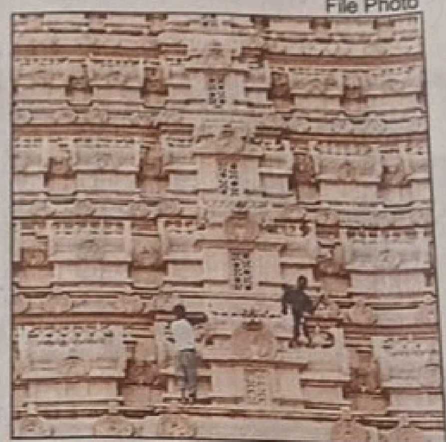

कि सच्ची भक्ति सेवा, प्रेम और करुणा में निहित होती है। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर हम न केवल आध्यात्मिक उन्नति कर सकते हैं, बल्कि समाज के कल्याण में भी योगदान दे सकते हैं। 12 मार्च को मंदिर में ज्योत प्रचंडन के साथ अमरजीत सिंह बिजली की भजनसंध्या होगी। 13 मार्च को ...वह पांच बजे माला पूजन, ज्योत प्रचंडन

माँ के स्वागत का पर्व – नवरात्रि

श्री आदि कात्यायनी शक्तिपीठ, छत्तरपुर से — माँ के आशीर्वाद संग नवरात्रि का शुभारंभ।

श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर के परम्परानुसार शक्तिपीठ के आश्विन नवरात्र महोत्सव तथा वसंत चैत्र नवरात्र महोत्सव का शुभारम्भ **श्री माँ के कुम्भाभिषेक** से पूर्व दिल्ली राज्य के समस्त अनादि तीर्थो नूतन देवालयों एवं सूफी संतो के समान्य में पुष्प फल नैवेद्य वस्त्र आदि अर्पण करने के पश्चात होता है!

श्रीआद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर के परम्परानुसार शक्तिपीठ के आश्विन नवरात्र महोत्सव तथा वसंत चैत्र नवरात्र महोत्सव का शुभारम्भ श्री माँ के कुम्भाभिषेक के बाद **भट्ठी पूजन** की जाती है !जिससे नवरात्रो में लंगर प्रसाद अन्नपूर्णा माता के कृपा से अच्छे से बन सके इसमें पुष्प फल नैवेद्य वस्त्र आदि अर्पण करने के पश्चात होता है!

-प्रबंधक समिति

नवरात्रि का पहला दिन – माँ शैलपुत्री को समर्पित

माता शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। इस दिन उनकी पूजा करने से जीवन में स्थिरता और दृढ़ संकल्प की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि का दूसरा दिन – माँ ब्रह्मचारिणी को समर्पित

माता ब्रह्मचारिणी तपस्या और संयम की देवी हैं। उनकी उपासना से भक्ति, ज्ञान और आत्मबल की वृद्धि होती है।

नवरात्रि का तीसरा दिन – माँ चंद्रघंटा को समर्पित

माता चंद्रघंटा साहस और शौर्य का स्वरूप हैं। इस दिन उनकी पूजा से भय, नकारात्मक शक्तियाँ और शत्रु नष्ट होते हैं।

नवरात्रि का चौथा दिन – माँ कूष्मांडा को समर्पित

माता कूष्मांडा सृष्टि की जननी कही जाती हैं। उनकी कृपा से स्वास्थ्य, ऊर्जा और नई सृजनात्मक शक्ति मिलती है।

नवरात्रि का पाँचवाँ दिन – माँ स्कंदमाता को समर्पित

माता स्कंदमाता मातृत्व और करुणा की प्रतीक हैं। उनकी उपासना से घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

नवरात्रि का छठा दिन – माँ कात्यायनी को समर्पित

माता कात्यायनी वीरता और विजय की देवी हैं। इस दिन की आराधना से मनचाहा जीवनसाथी और कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।

नवरात्रि का सातवाँ दिन – माँ कालरात्रि को समर्पित

माता कालरात्रि अंधकार का अंत करती हैं। उनकी उपासना से भय और सभी संकटों से मुक्ति मिलती है।

नवरात्रि का आठवाँ दिन – माँ महागौरी को समर्पित

माता महागौरी पवित्रता और शांति का स्वरूप हैं। उनकी कृपा से निर्मलता, सौंदर्य और जीवन में नई रोशनी आती है।

नवरात्रि का नवाँ दिन – माँ सिद्धिदात्री को समर्पित

माता सिद्धिदात्री सभी सिद्धियों की दात्री हैं। उनकी आराधना से भक्त को दिव्य ज्ञान, मोक्ष और असाधारण शक्तियाँ प्राप्त होती हैं।

छत्तरपुर मंदिर में भव्य नववर्ष और नवरात्रि उत्सव

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया शुभारंभ,

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर दिल्ली स्थित श्री आद्या कात्यायनी शक्ति पीठ, छत्तरपुर मंदिर में विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली की **मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता** विशेष रूप से मंदिर पहुँचीं और माता कात्यायनी का दर्शन कर प्रदेशवासियों को नववर्ष और नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं।

मंदिर में आयोजित शोभायात्रा और कन्या पूजन ने भक्तों का मन मोह लिया। मंदिर परिसर माँ दुर्गा के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नववर्ष केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं है, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, आध्यात्मिकता और राष्ट्रीय अस्मिता का उत्सव है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा –

"आज हिंदू समाज अपनी महान संस्कृति की ओर पुनः आकर्षित हो रहा है और पूरी दुनिया सनातन संस्कृति को स्वीकार कर रही है। यह हमें अपनी जड़ों से जोड़ने और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने का संदेश देता है।"

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आयुर्वेद, योग और भारतीय संस्कृति की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की परंपराएँ अब वैश्विक स्तर पर सम्मान पा रही हैं और यही हमारी सांस्कृतिक शक्ति है।

छतरपुर मंदिर पहुंचीं CM, कन्या पूज

रेखा गुप्ता ने हिंदू नववर्ष की दीं शुभकामनाएं, खुशहाली के लिए

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

चैत्र नवरात्र के साथ शुरू हुए हिंदू नववर्ष के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार की सुबह छतरपुर स्थित मां आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर पहुंचीं। उन्होंने मां के दर्शन कर पूजा अर्चना की और कन्या पूजन भी किया। उन्होंने दिल्लीवासियों की खुशहाली के लिए भी प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने सभी देशवासियों और दिल्लीवासियों को हिंदू नववर्ष (संवत्सर 2082) के शुभारंभ की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां के आशीर्वाद से दिल्ली में सद्भाव और शांति बनी रहे।

सीएम रेखा गुप्ता ने मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमृत लाल बत्रा और अन्य लोगों

पूरे मंदिर प्रांगण में विशेष सजावट की गई थी और हजारों भक्तों ने माँ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दिल्ली सरकार और मंदिर ट्रस्ट ने मिलकर इस आयोजन को भव्यता प्रदान की।

छत्तरपुर मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर भक्तों का सैलाब

माँ कात्यायनी के दर्शन हेतु उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दिल्ली का प्रसिद्ध श्री आद्या कात्यायनी शक्ति पीठ छत्तरपुर मंदिर चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भक्ति और श्रद्धा का केंद्र बना रहा।

नवरात्रि की शुरुआत से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा और हर दिन हजारों श्रद्धालु माँ के दर्शन हेतु पहुँचे।

माँ कात्यायनी की भव्य सजावट, आकर्षक फूलों की झालरों और रंग-बिरंगी रोशनियों ने मंदिर परिसर को दिव्य आभा से आलोकित कर दिया। भक्तों ने पूजा-अर्चना के साथ-साथ माता रानी के चरणों में दीप जलाए और अपनी मनोकामनाएँ अर्पित कीं।

मां दुर्गा की सातवी शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है। मां कालरात्रि का स्वरूप देखने में अत्यंत भयानक है, लेकिन ये सदैव शुभ फल ही देने वाली हैं। इसी कारण इनका एक नाम शुभंकरी भी है। दुर्गा पूजा के सातवें दिन माँ कालरात्रि की पूजा और आराधना की जाती है। उनके साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य क ा वह भागी हो जाता है। मां कालरात्रि दुष्टों का नाश करने वाली हैं। दानव, दैत्य, राक्षस, भूत, प्रेत आदि इनके स्मरण मात्र से ही भयभीत होकर भाग जाते हैं। ये ग्रह-बाधाओं को भी दूर करने वाली हैं। नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि की अराधना की जाती है। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में होता है। मां के इस स्वरूप को अपने ह्रदय में अवस्थित कर साधक को एकनिष्ठ भाव से नकी अराधना करनी चाहिए।

करें।

फल प्राप्त होते हैं।

और विचारों को उच्च करती हैं।

छतरपुर मंदिर में हीरे और सोने के आभूषणों से मां का शृंगार

नईदिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। नवरात्र में माता के मंदिर महिला सशक्तीकरण से स्वच्छ पर्यावरण को लेकर श्रद्धालुओं को जागरूक कर रहे हैं। छतरपुर स्थित आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर श्रद्धालुओं को विश्व शांति का संदेश दे रहा है। मंदिर में अलग-अलग झांकियां बनाई गए हैं। भगवान शिव, दुर्गा मां समेत कई झांकी दिखाई गई हैं। मंदिर में हीरे, सोना और चांदी के आभूषणों से मां का शृंगार किया गया है।

नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं को उत्साह देखते ही बन रहा है। श्रद्धालु दूर-दूर से दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की गई। मंदिर पदाधिकारियों ने बताया कि मां कात्यायनी को योद्धा देवी के रूप में जाना जाता है, जो बाधाओं को दूर करने और साहस और समृद्धि प्रदान करतीं हैं। बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे श्रद्धालु विशेष पूजा और आरती में शामिल हुए। मंदिर को देसी-विदेशी फूलों से सजाया है। इसमें सिंगापुर से लेकर थाइलैंड के फूलों का इस्तेमाल किया है। मंदिर पदाधिकारियों का कहना है कि इसके पीछे की वजह हर अलग-अलग देश के फूलों को एक माला में पिरोना है। उन्होंने बताया कि माता की माला तेलंगाना से मंगवाई जाती है।

छतरपुर स्थित आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में गुरुवार को मां के भव्य स्वरूप का दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु। • सोनू मेहता

बाबा नागपाल ने 1974 में बनवाया था मंदिर

छतरपुर मंदिर की स्थापना 1974 में कर्नाटक के संत बाबा नागपाल के प्रयास से संभव हुआ। भव्य मंदिर के स्थान पर पहले कुटिया हुआ करती थी, धीरे-धीरे मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ तक फैल गया। इस मंदिर में मां दुर्गा अपने छठे रूप माता कात्यायनी के रौद्र स्वरूप में दिखाई देती है। उनके एक हाथ में चण्ड-मुण्ड का सिर और दूसरे में खड्ग है। परिसर में लगभग 20 छोटे-बड़े मंदिर हैं, जो अलग-अलग देवी-देवताओं को समर्पित है। जिनका निर्माण सफेद संगमरमर से किया गया है। मंदिर में माता के दरबार के साथ बाबा नागपाल का भी भव्य कक्ष भी है। माता का शृंगार हर रोज सुबह तीन बजे से ही शुरू कर दिया जाता है।

पांच हजार अभ्यर्थियों का पंजीकरण कर डिग्रियां बांटीं

मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की थीं। लंगर, प्रसाद वितरण और कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था ने भक्तों को सुगमता प्रदान की। पुलिस और स्वयंसेवकों ने सुरक्षा और अनुशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवरात्रि के नौ दिनों तक छत्तरपुर मंदिर में विशेष अनुष्ठान और पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। माता रानी के भजनों और घंटियों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

नवरात्रों के पावन अवसर पर छतरपुर मंदिर में विशाल भंडारे (लंगर) का आयोजन होता है, जो दिन-रात निरंतर चलता रहता है। लाखों श्रद्धालु दूर-दूर से यहाँ पहुँचकर माँ भगवती का आशीर्वाद पाते हैं और प्रसाद ग्रहण कर आत्मिक शांति का अनुभव करते हैं। इस लंगर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ कोई भेदभाव नहीं होता—चाहे अमीर हो या गरीब, साधु हो या गृहस्थ—सभी एक ही पंक्ति में बैठकर माँ का प्रसाद ग्रहण करते हैं।
भक्तों की सेवा के लिए हजारों सेवादार तन-मन-धन से माँ की सेवा में लगे रहते हैं। कोई प्रसाद परोसता है, कोई पानी पिलाता है, तो कोई साफ-सफाई और व्यवस्था संभालता है। यह निःस्वार्थ सेवा ही इस आयोजन को और अधिक पवित्र बना देती है।

भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने और भक्तों को सुगम दर्शन कराने के लिए इस वर्ष QR कोड आधारित दर्शन व्यवस्था लागू की गई है। श्रद्धालु **QR कोड** स्कैन कर आसानी से अपने निर्धारित समय पर दर्शन कर सकते हैं, जिससे लंबी कतारों और भीड़भाड़ से बचाव होता है। यह आधुनिक पहल न केवल भक्तों के लिए सुविधा लेकर आई है, बल्कि व्यवस्थापन की दृष्टि से भी बेहद प्रभावी सिद्ध हो रही है।

नवरात्रों में यह निरंतर चलने वाला लंगर और व्यवस्थित दर्शन प्रणाली सेवा, समानता, करुणा और अनुशासन का अद्भुत संगम है। यहाँ आने वाले श्रद्धालु केवल प्रसाद और दर्शन ही नहीं करते, बल्कि माँ कात्यायनी की कृपा और बाबा नागपाल जी महाराज की सेवा परंपरा का गहरा अनुभव भी प्राप्त करते हैं।

सावन महोत्सव (श्रावण मास)

श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ छतरपुर मंदिर में सावन महोत्सव (श्रावण मास) का विशेष महत्व है। सावन महोत्सव (श्रावण मास) छतरपुर मंदिर में बड़े हर्ष और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। पूरे महीने भक्तजन भगवान भोलेनाथ और माँ कात्यायनी की विशेष आराधना करते हैं।

शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित किया जाता है तथा हर सोमवार को भव्य श्रृंगार, भजन-कीर्तन और रुद्राभिषेक आयोजित होता है। सावन की शिवरात्रि पर रात्रि जागरण और महाआरती का विशेष आयोजन होता है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। कांवड़िए गंगाजल लाकर शिव अभिषेक करते हैं और मंदिर प्रांगण हरियाली व पुष्प सजावट से सुशोभित किया जाता है।

यह महोत्सव भक्तों को भक्ति, शिव-आराधना और माँ कात्यायनी की कृपा प्राप्त करने का अद्भुत अवसर प्रदान करता है।

गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा छतरपुर मंदिर में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई जाती है। इस दिन श्रद्धालु अपने जीवन में गुरु के महत्व को याद करते हैं और गुरुजनों के प्रति आभार प्रकट करते हैं।

छतरपुर मंदिर में भक्तगण विशेष रूप से **संत बाबा नागपाल जी** महाराज को अपने गुरु रूप में स्मरण करते हैं, जिन्होंने माँ कात्यायनी के दिव्य धाम की स्थापना की और जीवनभर निःस्वार्थ भाव से सेवा और भक्ति का मार्ग दिखाया।

गुरु पूर्णिमा के दिन मंदिर में विशेष पूजन, हवन, सत्संग और भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। बाबा नागपाल जी की प्रतिमा पर श्रद्धालु पुष्प अर्पित करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य मानते हैं। यह पर्व गुरु-शिष्य परंपरा की पावन स्मृति है और भक्तों के लिए यह अवसर होता है कि वे अपने जीवन को गुरु की शिक्षा और आशीर्वाद से और अधिक सार्थक बना सकें।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी छतरपुर मंदिर में अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ मनाई जाती है। इस दिन मंदिर परिसर को सुंदर झांकियों, पुष्पों और रोशनियों से विशेष रूप से सजाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को प्रदर्शित करने के लिए झूले सजाए जाते हैं और भक्त पूरे दिन भजन-कीर्तन में लीन रहते हैं।

रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है, जब पूरे मंदिर में घंटियों और शंखनाद के साथ महाआरती होती है। इस पावन क्षण में उपस्थित भक्तजन स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं और भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। जन्माष्टमी पर छतरपुर मंदिर में लाखों श्रद्धालु एकत्रित होते हैं और यह पर्व प्रेम, भक्ति और आनंद का अद्भुत संगम बन जाता है।

विविध

आस्था का महाकुंभ: छतरपुर मंदिर में गूंजेगा 'हरे कृष्ण' का महामंत्र, एक लाख से अधिक भक्तों के आने की संभावना

नई दिल्ली। इस बार जन्माष्टमी की रात दिल्ली में आस्था का सबसे बड़ा पर्व छतरपुर मंदिर में सजेगा। 16 अगस्त को सुबह से लेकर आधी रात तक मंदिर परिसर भक्ति, प्रेम और आनंद से भरपूर रहेगा। ऐसा वातावरण बनेगा मानो स्वयं वृंदावन दिल्ली में उतर आया हो।

कार्यक्रम का विस्तृत स्वरूप

सुबह 8:00 बजे से मध्यरात्रि - श्रीकृष्ण जन्मोत्सव (भक्ति, सांस्कृतिक और उत्सव गतिविधियाँ)

सुबह 11:00 बजे से मध्यरात्रि - पूजा विष्णु शास्त्रनाम

पूरे उत्सव मंडपम में राधा-कृष्ण की झांकियां, भव्य पुष्प सजावट, रंग-बिरंगी रोशनियां और निरंतर गूंजते भजन-कीर्तन भक्तों के हृदय में अलौकिक शांति और आनंद भर देंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री किशोर चावला ने भावुक शब्दों में कहा -श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल एक पर्व नहीं तो पूरे मंदिर परिसर में 'हरे कृष्ण' का महामंत्र गूंजेगा और हर भक्त के हृदय में श्रीकृष्ण की कृपा का अमृत बरसेगा। हमारा उद्देश्य है कि हर व्यक्ति इस आयोजन से जुड़कर जीवन में शांति, सुख और सद्भावना का अनुभव करे। मंदिर ट्रस्ट का अनुमान है कि इस बार एक लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन

और उत्सव में शामिल होंगे। भक्तों के लिए सुरक्षा, प्रसाद, बैठने और पीने के पानी की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि हर आगंतुक निर्बाध रूप से इस दिव्य माहौल में डूब सके। 16 अगस्त को छतरपुर मंदिर का हर कोना भक्ति से

कल से सावन | सावन में 14 जुलाई से 9 अगस्त तक चार सोमवार ...

आज गुरु पूर्णिमा पर मंदिरों में ...

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आज गुरु पूर्णिमा है और कल से सावन का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। गुरु पूर्णिमा पर भी मंदिरों में कई कार्यक्रम होंगे, वहीं सावन में मंदिरों पर काफी भीड़ रहती है। खास तौर पर सावन के सोमवार पर शिवजी के जलाभिषेक के लिए मंदिरों में श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

सावन के महीने के लिए मंदिर पूरी तरह से तैयार

श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ ट्रस्ट के सीईओ किशोर चावला ने बताया कि बीते कई सालों की तरह छत्तरपुर मंदिर में इस साल भी बाबा ... हो जाएंगे। सुबह छह बजे बाबाजी का अभिषेक और चरणपादुका पूजन होगा। इसके बाद दस बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह श्री शिवशक्ति मंदिर से छत्तरपुर मंदिर समाधि स्थल तक जाएगी। वहीं शुक्रवार से सावन शुरू हो रहा है। मंदिरों में भी तैयारी पूरी हो चुकी है। सावन में इस बार 14 जुलाई से 9 अगस्त तक चार सोमवार पड़ेंगे।

आचार्य अशुतोष शास्त्री ने बताया कि सावन के पहले सोमवार पर पंचक रहेगा। झंडेवाला मंदिर में सावन के हर दिन मंदिर में पांच अभिषेक किए जाएंगे। इन अभिषेकों की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी। चांदनी चौक के गौरी शंकर मंदिर को सावन में फूलों और रंग बिरंगी रोशनियों से सजाया जाएगा। छत्तरपुर मंदिर में

रोहिणी में चार ...

■ NBT रिपोर्ट, दिल्ली। वि... जागृति मिशन की ओर से वा... गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2025 ... शुभारंभ 7 जुलाई को दिल्ली ... रोहिणी सेक्टर-12 स्थित द... डेकोर में हुआ। इस अवसर ... मिशन के संस्थापक पूज्य ... महाराज और डॉ. आर्चिका ... उपस्थिति ने माहौल को आ... ऊर्जा से भर दिया। देश-... हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचे ... महोत्सव 10 जुलाई तक ... चार दिवसीय आयोजन ... परंपरा पर आधारित है, ... श्रद्धा, साधना, ध्यान औ...

{ 'INDIA IS A VISHWAGURU' }

On Hindu New Year, ... hails traditions, cult...

HT Correspondent

htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Chief minister Rekha Gupta on Sunday visited the Maa Katyayani Temple in Chhattarpur, south Delhi, on the occasion of the Hindu New Year and Navratri. Gupta also took part in a "shobha yatra" at Pitampura.

"This festival strengthens our connection to our heritage and inspires a promising future. More than just a change in date, this festival offers an opportunity for introspection on how far we have progressed in commitment to re-establishing India as a Vishwaguru," she said.

Commenting on Ayurveda as India's culture, she said, "Yoga ...

The CM outside a temple in Chhatarpur on ...

gurated a wall art project in Kalkaji. "Under corporate social responsibility (CSR) funds, two parks will be developed in Kalk-...

Rajasthan... vided wit... ties, and addresse...

हिन्दुस्तान

मंदिर समितियों ने श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सेवादारों की की तैनाती की, कांवड़ियों के लिए अलग व्यवस्था

शिवालयों में आज उमड़ेगा आस्था का सैलाब

पहला सोमवार

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। राजधानी में सावन के पहले सोमवार के लिए शिवालय सजकर तैयार हैं। मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया है। साफ-सफाई का काम भी पूरा कर लिया गया है। सुरक्षा और भीड़ को संभालने के लिए कुछ मंदिरों ने बाउंसर तैनात किए हैं।

जानकारी के मुताबिक, शिवालयों में सुबह से ही भक्तों का सैलाब उमड़ने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भगवान भोलेनाथ के विशेष शृंगार, पूजन और रुद्राभिषेक, जलाभिषेक की तैयारियां

दिल्ली स्थित झंडेवालान मंदिर को सावन के पहले सोमवार के लिए रविवार को विशेष रूप से सजाया गया है। • हिन्दुस्तान

नई दिल्ली से कांवड़ लेकर शनिवार को शिवालयों की ओर जाते शिव भक्त। • ...

Please make a Donation using the below instructions provided.

Account Details

Bank Account Holder Name

Shree Adya Katyayani Shaktipeeth Mandir Trust

Bank Name:- Yes Bank
Bank Account Number:- 008494600001000
Bank IFSC Code:- YESB0000084
Bank Branch:- Chattarpur, New Delhi

SCAN ME!

Kindly send us a screenshot of the contribution on this
Email -sakspmt@gmail.com
once it's completed so that we can verify.

Contact Info

Shree Adya Katyayani Shaktipeeth Mandir Trust Chhatarpur
New Delhi-110074
INDIA

saksрmt@gmail.com
katyanibaba@yahoo.co.in

Monday-Thursday : 06:00 am - 09:00 pm
Friday-Sunday : 10:30 am - 05:30 pm

+91-011-26802925
+91-011-26802360
+91-011-26803115

Follow us

जय माता दी